

प्रभक

पी०के०महान्ति,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त
ग्राम्य विकास
उत्तराखण्ड पौड़ी

ग्राम्य विकास अनुभाग देहरादून

दिनांक 23 मार्च, 2007

विषय:- पुनर्विनियोग के अन्तर्गत धनराशि की मांग।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 3260/4-नाजिर/पुनर्विनियोग/2006-07 दिनांक 8 जनवरी, 2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2006-07 में शासनादेश संख्या 539/XI/2006/56(62) दिनांक 29 अप्रैल, 2006 एवं शासनादेश संख्या 841/XI/2006/56(62) दिनांक 3जुलाई, 2006 के द्वारा आपके निवर्तन पर व्यय हेतु रखी गयी धनराशि के सापेक्ष पुनर्विनियोग के माध्यम से निम्नानुसार रु0 1,00,000.00(रु0 एक लाख मात्र) की धनराशि श्री राज्यपाल महोदय व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि हजार रु0 में)

क्र.सं.	मानक मद	पुनर्विनियोग के माध्यम से व्यय किए जाने हेतु स्वीकृत धनराशि
01	02	04
01	04-यात्रा व्यय	100
	योग:-	100

(रुपये एक लाख मात्र)

2. उक्त स्वीकृत धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जायेगा।
7. उक्त आवंटित धनराशि का आहरण एक मुश्त न कर आवश्यकतानुसार किया जाय।
8. उक्त धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर जारी/ जारी होने वाले मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों को ध्यान में रखकर किया जाय तथा व्यय आवंटित धनराशि की सीमा तक ही रखा जाय।
9. निर्माण कार्य एवं सामग्री क्रय हेतु धनराशि व्यय करने से पूर्व वित्तीय नियमों के अन्तर्गत आगणन इत्यादि पर सक्षम अधिकारी से प्रशासनिक/ प्राविधिक स्वीकृति आवश्यक प्राप्त कर ली जाय तथा धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार वित्तीय नियमों के अन्तर्गत ही किया जाय।
10. बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूल्स डी.जी.एस.एन.डी. दरें अथवा टैंडर / कोटेशन विषयक नियमों का अनुपालन किया जायेगा।
7. उक्त आवंटित धनराशि के व्यय की संकलित सूचना प्रपत्र-बी०एम०-13 पर प्रत्येक माह की 7 वीं तिथि तक शासन को उपलब्ध करा दी जाय।

कमश:-2

8. अधमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण व्यय 31.03.2007 तक सुनिश्चित कर लिया जाय तथा उपयोगिता/व्यय प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाय
9. इस सम्बन्ध में हाने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-19 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2515-अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रम-आयोजनेत्तर-00-001-निर्देशन तथा प्रशासन-03-ग्राम्य विकास का मुख्यालय/क्षेत्रीय कार्यालय अधिष्ठान-00 के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा तथा संलग्न पुनर्विनियोजन के स्तम्भ-1 में उल्लिखित लेखाशीर्षक की परिवर्तनों से पुनर्विनियोजन से वहन किया जायेगा।
10. यह आदेश वित्त अनुभाग-4 के अशासकीय संख्या 1022 / वित्त अनुभाग-4/2007 दिनांक 21 मार्च, 2007 के द्वारा दी गई सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक:- यथोपरि।

भवदीय,
(पी०के० महान्ति)
सचिव

संख्या 215 (1) / XI / 06 / 56(62) / 2003 तद दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को संलग्नक सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून .
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/ कोषाधिकारी पौड़ी .
3. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी .
4. जिलाधिकारी, पौड़ी .
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ उत्तरांचल 23 लक्ष्मी रोड देहरादून .
6. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री उत्तरांचल को मा० मुख्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ .
7. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र उत्तराखण्ड, देहरादून.
8. वित्त अनुभाग-4 उत्तराखण्ड शासन.
9. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन सचिवालय देहरादून ।
10. गार्ड फाईल .

संलग्नक:- यथोपरि।

आज्ञा से,
(दमयन्ती दोहर)
अपर सचिव ।

विभाग का नाम:- ग्राम्य विकास विभाग
अनुदान संख्या-19

आवक-व्ययक प्रपत्र-15
पुनर्वित्तियोग 2006-2007, आयोजनलेटर पक्ष

(धनराशि हजार रुपये में)

विवरण	मानक मदवार अध्ययनिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (एस्टिमेट) धनराशि	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि को स्थानान्तरित किया जाता है	पुनर्वित्तियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्वित्तियोग के बाद स्तम्भ -1 में अवशेष धनराशि	औचित्य	
1	2	3	4	5	6	7	8	
लेखाशीर्षक:-2515-अन्य ग्राम विकास कार्यक्रम-आयोजनलेटर-001-निर्देशन प्रशासन-03-ग्राम्य विकास का मुख्यालय/क्षेत्रीय कार्यालय अधिष्ठात कार्यालय अधिष्ठात मानक मद धनराशि				लेखाशीर्षक:-2515-अन्य ग्राम विकास कार्यक्रम-आयोजनलेटर-001-निर्देशन प्रशासन-03-ग्राम्य विकास का मुख्यालय/क्षेत्रीय कार्यालय अधिष्ठात मानक मद धनराशि			क-घरात का कार -पट्टे के रिकत होने तथा कर्मिकों द्वारा अवकाश या का उपभोग न वि जाने के कारण ।	
01-वेतन	2255	1500	655	100	04-ग्राम व्यय	100	200	2155
योग				100		100		छ-पुनर्वित्तियोग का औचित्य- निर्देशानुय को पूरे राज्य में योजनाओं के अनुभव तथा आवश्यक सुचल शासन तथा भारत सरकार को पट्टावले तथा आयोजित बैठकें में प्रतिभाग के कारण पूरा अर्थ में अतिरिक्त आवश्यकता हुई ।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त विनियोग के फलस्वरूप वित्तीय नियमों का उल्लंघन नहीं होता है।

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग
संख्या /वित्त अनुभाग-4/2006
देहरादून: दिनांक 21 मार्च, 2007


सेवा में,
महालेखाकार
उत्तराखण्ड
भाजरा, सहारनपुर रोड देहरादून

पुनर्विनियोग स्वीकृत
(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव, वित्त।

संख्या 1822(1)/XI/2007/56 (20) 2006 तद्विनांक

प्रतिनिधि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाही हेतु प्रेषित:-

1. आयुक्त, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड पौड़ी।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, पौड़ी उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं उत्तराखण्ड देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-4 उत्तराखण्ड।
5. गार्ड फाईल।


(दामयन्ती दोहरे)
अपर सचिव।